ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of the Press briefing **Held at 1615 Hours 16.08.2014**

Dr. Shakeel Ahmad addressed the media today.

डा. शकील अहमद ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि कल स्वतत्रंता दिवस था और भारत की नई सरकार के नए प्रधानमंत्री के कार्यकाल का यह पहला स्वतंत्रता दिवस था और इस अवसर पर प्रधानमंत्री परम्परा के अनुसार लालकिले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हैं। देश किन मूल्यों को लेकर चलेगा, देश की समस्याएं क्या हैं, उनका निदान क्या होना चाहिए और समाज में जो विभिन्न वर्ग हैं उनके बारे में सरकार का नजरिया क्या है एक पॉलिसी स्टेटमेंट की तरह होता है जिसे सारा देश बड़े ध्यान से देखता और सुनता है। टीवी सेट पर देखने की सुविधा प्राप्त है लोगों को हम भी एक भारतीय की हैसियत से प्रधानमंत्री जी के भाषण को पूरी दिलचस्पी से उसे देख भी रहे थे और सुन भी रहे थे।

एक तो पहली ही बात अजीव लगी कि चार दिनों से मीडिया में यह स्टोरी चल रही थी कि प्रधानमंत्री **extampore** बोलने वाले हैं यानि कि बिना किताब–कापी के, बिना लिखित स्पीच के, बिना कोई प्वाइन्ट देखे–बिल्कुल अपने मन से जो उनके दिल में बात आएगी वो कहेंगे। लेकिन जब हम लोगों ने देखा तो कुछ था नोट किया हुआ–शायद प्वाइंट भाषण कर रहे थे– बिल्कुल अधिकार है प्रधानमंत्री को। कोई पूरा भाषण पढ़ते हैं, कोई प्वाइंटस देखकर पढ़ते हैं। लेकिन यह मीडिया में पता नहीं कहां से स्टोरी आई थी कि हमारे प्रधानमंत्री जी **extampore** बोलने वाले हैं। मुझको लगता है वो जो खबर छपी थी वो भी एक सोची–समझी योजना की तरह थी कि जो उनको बोलना है प्वाइंट देख के बोल देंगे और जो नहीं बोलना है उसको यह समझा जाएगा कि शायद .... बोलने से वो चीज नजरअंदाज हो या छूट गयी। मेरे हिसाब से प्रधानमंत्री ने, जो सबसे कमी उनके भाषण में लगी और जो उन्होंने छोड़ दिया कि समाज के कमजोर वर्ग जो हमारे

लोग हैं, जैसे एस.सी, एस.टी, हमारे दलित समाज के लोग एस.टी, अति पिछड़े वर्ग के लोग, ओबीसी के लोग जो अन्य पिछड़ी जाति के लोग, अल्पसंख्यक समाज के लोग, इनके बारे में प्रधानमंत्री के भाषण में एक शब्द भी चर्चा में नहीं था। यह एक गंभीर बात है और मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं, मेरी शंका है कि जानबूझकर इन वर्गों के बारे में, या जो कार्यक्रम चल रहे हें उनके लिए, उसको चालू रखने के बारे में, उनके कल्याण के बारे में, प्रधानमंत्री जी ने एक शब्द अपने भाषण में नहीं कहा।

आप लोगों ने प्रधानमंत्री का भाषण कई जगहों पर सुना होगा, चुनाव के दौरान, संसद में और लालकिले की प्राचीर से। इन सभी में अन्तर केवल इतना था कि प्रधानमंत्री का जो कहना था, सब भाषणों में अलग–अलग था लेकिन भाषण सभी जगहों का चाहे वो चुनाव का भाषण हो, चाहे वो लोकसभा या राज्यसभा का भाषण हो और चाहे वो लालकिले की प्राचीर से दिया हुआ भाषण हो, भाषण बिल्कुल एक था और जिन मुद्दों को उठाना चाहते थे, देश के लिए चाहे वो कितना ही महत्वपूर्ण क्यों ना हो, उसको उठाया और जिसको नहीं उठाना चाहते थे उसको नहीं उठाया।

आपको याद होगा पिछले वर्ष प्रधानमंत्री एक नकली आजादी के भाषण अथवा स्वतंत्रता दिवस पर डा. मनमोहन सिंह के भाषण के काट में उन्होंने भाषण दिया था। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि स्वतंत्रता दिवस के भाषण का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। किसने राजनीतिकरण शुरू किया स्वतंत्रता दिवस के भाषण का, श्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछले साल डा. मनमोहन सिंह जी जो हमारे उस समय के प्रधानमंत्री थे उनके काउन्टर में और क्या मुद्दे उठाए थे मीडिया के मित्रों को याद होगा। उन्होंने कहा कि ..... लीडर हैं डा. मनमोहन सिंह जी पाकिस्तान ऐसे युद्ध विराम का उल्लंघन कर रहा है और पाकिस्तान के खिलाफ प्रधानमंत्री एक शब्द नहीं बोल रहे हैं। श्री नरेंद्र मोदी जी खामोश थे पाकिस्तान के बारे में अपने भाषण में। कश्मीर की सरहद पर जाकर वो पाकिस्तान के बारे में बात करते हैं। ऐसा लगता है कि कश्मीर जाकर बात करने से ही पाकिस्तान सुनेगा क्योंकि वहां से पाकिस्तान जल्दी आवाज पहुंच जाएगी और लालकिले की प्राचीर से बोलने से पाकिस्तान तक आवाज नहीं पहुंचेगी।

चीन के बारे में प्रधानमंत्री जी बिल्कुल खामोश थे, लगातार चीन की तरफ से घुसपैठ हो रही है। मंहगाई जिसकी चर्चा पूरे चुनाव प्रचार में की गई थी मंहगाई के बारे में प्रधानमंत्री जी ने एक शब्द नहीं कहा। प्रधानमंत्री जी ने कहा, जिन योजनाओं की बात की

आप जरा गौर कीजिए– मुझको इससे कोई शिकायत नहीं है क्योंकि अधिकांश योजनाएं सरकार की है। उन्होंने स्वच्छता के बारे में, शौचालय के बारे में कहा यह चिन्ता ठीक है। मगर आप सभी को याद होगा हर टीवी चैनल पर दिन भर में लगभग दस बार बहुत मशहूर अभिनेत्री है विद्याबालन जी, वो आके स्वच्छता और शौचालय के बारे में प्रचार करती हैं। जहां शौच– वहां शौचालय और यह उनका कोई व्यक्तिगत कार्यक्रम नहीं है, यह भारत सरकार का स्वच्छता मंत्रालय जो है उसके द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है अच्छी बात है। उन्होंने कहा जैसे कोई नई बात शुरू कर रहे हैं, प्रधानमंत्री जी ने आदर्श ग्राम की बात कही। मैं 1994 तक विधायक था, 1998 में सांसद बना। 2004 से दिल्ली में हूँ, उससे पहले मैं अपने क्षेत्र में उस गांव का नाम नहीं बता सकता जिसको सरकार ने आदर्श ग्राम माना। यह आदर्श ग्राम की योजना कोई नई नहीं है सरकार यह देखती थी कि किन गांवों में दलितों की संख्या सबसे कम है, उसको आदर्श गांव बनाती थी। किस गांव में गरीबों की संख्या सबसे कम है, उसको आदर्श गांव बनाती थी। आदर्श गांव बनाने के लिए सांसदों को कहा, विधायकों और सांसदों को बहुत ही सीमित राशि मिलती है यह कैसे होगा? पांच करोड़ की राशि मिलती है। सांसद के क्षेत्र में लगभग 800 गांव होते हैं सांसद परेशान रहते हैं कि किसकी बात मानें और किसकी बात नहीं मानें। उसमें आप एक आदर्श गांव की बात कर रहे हैं।

जैसे कह दिया प्रधानमंत्री जी ने कि 100 स्मार्ट सिटी बनाएंगे और राशि मंजूर हुई केवल सात हजार करोड़ जिसमें एक स्मार्ट किसी नहीं बनेगी। तो इस तरह की बातें मेरे ख्याल में यह डबल स्टेन्डर्ड है। कहा कि साम्प्रदायिकवाद और जातिवाद नहीं होना चाहिए, इस पर अंकुश लगाना चाहिए। आप चुनाव लड़ रहे थे तो बड़े दावे के साथ कहते थे कि मैं पिछड़ी जाति से आता हूँ। आप ने कहा कि आप ने मेरी जाति को नीच कहा, दूसरे संदर्भ में कहा गया था लेकिन आप ने उसको बना लिया अपने राजनीतिक लाभ के लिए और आप ने जिसको अपनी पार्टी का अध्यक्ष बनाया, चुनाव के बाद मैन–आफ–दी–मैच घोषित करके, वो उत्तर प्रदेश में कह रहे थे कि बदला लेना है और सम्मान की लड़ाई है और समुदायों को लड़ाने की कोशिश कर रहे थे, उसको आपने मैन–आफ–मैच कह के अपनी पार्टी का अध्यक्ष बना दिया और आप लालकिले की प्राचीर से कह रहे हैं कि दस साल तक जातिवाद और साम्प्रदायिकवाद से अलग रहना चाहिए, इसका मतलब है कि दस साल के बाद शुरू हो जाएगा। हमारी नजरों में प्रधानमंत्री जी का भाषण बहुत ही निराशाजनक रहा है और निश्चित रूप से हम लोग आग्रह करेंगे कि मीडिया में नोट बना के आएं वो इस बार की तरह विस्तार से लिख के लाएं। पूर्वोत्तर राज्यों की चर्चा पूर्वोत्तर राज्य बहुत

ही महत्वपूर्ण राज्य हैं उनको कभी–कभी किसी ना किसी घटना से आभास होता है कि उनके साथ शायद वो व्यवहार नहीं हो रहा है जो होना चाहिए उनकी चर्चा शायद मुझको याद नहीं है कि पधानमंत्री जी ने अपने भाषण में की। तो यह ऐसी गंभीर समस्याएं हैं कि इनके प्रति देश को जागरूक रहना चाहिए और हम प्रधानमंत्री जी से आग्रह करना चाहते हैं और उनकी सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि भविष्य में लालकिले से जो प्रधानमंत्री का संबोधन होता है, देश उसको बड़ी गंभीरता से लेता है, किसी भी वर्ग को प्रधानमंत्री के भाषण से निराशा नहीं होनी चाहिए, हम यह अपील करना चाहते हैं।

On the question of reaction of the Congress party over the proposed dismantling of the Planning Commission, Dr. Ahmad said it is a half baked idea because I think he has not suggested any alternative modus operandi or any other alternative for Planning Commission. So let the government take a final decision and propose before the nation any alternative system. Dr. Ahmad further said paradigm shift is not unusual in a country's history. Congress party was there, it was the same Congress party which initiated the nationalization of Banks in this country and the same Congress party was responsible for the globalization of Indian economy. So paradigm shift is not uncommon in the history of nation. So it is for the government to decide but if you are trying to eliminate or disband the Planning Commission, you should have come up with alternative suggestion, proposal or decision.

श्री मोदी के भाषण पर जेडी (यू) की प्रतिक्रिया के विषय में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में डा. शकील अहमद ने कहा कि जेडी (यू) ने क्या कहा है, मैंने नहीं सुना है मगर सारी पावर अपने हाथ में लेने की उन्होंने लालकिले की प्राचीर से इशारा किया है। और अभी जो गृहमंत्री हैं उनका क्या–क्या पावर ले लिया गया है यह हम सब जानते हैं। इसलिए क्यों बेचारे मोदी जी के मंत्रियों का, जो सबसे बड़े मंत्री का यह हाल है और जो नम्बर दो कहलाते हैं, जो 5,7 या दस नम्बर पर होगा, उसकी क्या हालत होगी।

जींद की रैली में अमितशाह द्वारा यह कहना कि भारत को कांग्रेस मुक्त और भाजपा युक्त बनाना है। और चौधरी बीरेंद्र सिंह का कहना कि कांग्रेस आए दिन उनके साथ ट्रेजडी करती थी, अब उनको अलविदा कहना होगा, डा. शकील अहमद ने कहा कि जहां तक आपने अमित शाह की बात पूछी है, यह बात सही है कि सीटों की संख्या के हिसाब से हमको सबसे कम सीटें यानि 44 सीटें मिली हैं। मगर वोटों की संख्या के हिसाब से 11 करोड़ वोट और 11 करोड़ लोगों ने कांग्रेस पार्टी को वोट दिया है। अगर अमित शाह जी को कांग्रेस मुक्त भारत बनाना है तो इन 11 करोड़ लोगों को तीन तरफ जो हमारे समुद्र

हैं, भारत महासागर, अरब महासागर और बंगाल की खाड़ी इसमें समाहित करना पड़ेगा, अमित शाह जी से पूछिए कि इसके लिए तैयार हैं। और उस वोट के बाद से जिस दिन हमको 11 करोड़ वोट मिले और नतीजों के पश्चात जो मोदी जी की सरकार का कार्यकलाप हुआ है तो फिर तेजी से जो और जो लोग हमारी तरफ बढ़ते आ रहे हैं उनकी संख्या और बढ़ गयी है। जो समाज को बांटने और समाज को लड़ाने की इनकी क्षमता है उस पर कोई समझदार आदमी सवाल नहीं उठा सकता।

चौधरी बीरेंद्र सिंह को भी हमने सस्पैंड किया था। चौधरी साहब के बारे में मैं अभी नहीं कहना चाहूंगा, इसलिए कि विस्तार से उन्होंने क्या कहा है मुझको नहीं मालूम है। मैं हरियाणा का प्रभारी भी हूं, सुन लूंगा कि उन्होंने क्या कहा है। जब पार्टी को सूचना मिल जाएगी और विस्तृत जानकारी होगी कि उन्होंने क्या–क्या कहा है किस संदर्भ में कहा है, तब मेरा उस पर कुछ टिप्पणी करना अच्छा होगा। यह मीडिया की रिपोर्ट है कि वो पार्टी छोड़कर चले गए थे। पार्टी किसी को खुश होकर सस्पैंड नहीं करती है, दुःखी मन से सस्पैंड करती है लेकिन कहीं–कहीं मजबूरी हो जाती है कि **this far and no further.**

On another question that as per the suo-moto statement of the Spokesperson, Mr. Modi deliberately ignored SC/ST and other backward class people in his Independence Day speech but your colleague Spokesperson Shri Abhishek Singhvi described the speech of Mr. Modi as very inclusive and impressive, carrying everybody on board, carrying everybody along, Dr. Ahmad said in what context he has said I have not seen that but that may be his personal views. I am speaking on behalf of the Congress party from the podium and this is the considered view of the party.

On the question of reaction of the Congress party on the comments of Mr. Amit Shah from his Jind rally that Congress party is begging for the position of Leader of Opposition, Dr. Ahmad said it is an unwarranted statement. It is an insult to the institution of parliament.

Regarding bail to Amit Shah, Dr. Ahmad said there are political promotions. Bail to the accused persons, plum postings for the accused officers, it seems 'achhe din' are here for all the perpetrators of riots and fake encounters.

On another question that in his report Mr. Antony has given clean chit to all the three - Smt. Sonia Gandhi, Shri Rahul Gandhi and Dr. Manmohan Singh - Dr. Ahmad asked, has he submitted his report to you? Where is his report? It is with the Congress President or the Congress Vice President. We are not in a position to describe or comment upon this report because we have not seen that report. I can't comment on the report without seeing it. I have no information about it. There are speculations in the media. Mr. Antony has said that he has submitted the report. Since I have not seen the detailed report, it is very difficult for me to comment on the same without seeing the report.

On being asked are you going to make the report public, Dr. Ahmad said when we will be allowed to release that report, we will certainly release that report to all our media friends.

On a question that Mr. BS Yeddyuruppa has been elevated as Vice President by the BJP, Dr. Ahmad said BJP is a different party. It is for them to decide that who will be in their organization but Yes, Mr. Yeddyuruppa's inclusion is very interesting. It is Mr. Modi's style of functioning to fight corruption with the help of corrupt people. Britishers used to do this. They used to appoint anti-social elements in-charge of different Police Stations and so Mr. Modi, I think, adopted this system and also Mr. Modi's party because Mr. Amit Shah is handpicked by Mr. Modi to be the President of the party also. So, it is Mr. Narendra Modi's tactics to fight against corruption with the help of corrupt people but as far as other members of their organization is concerned; it is for Mr. Amit Shah and Mr. Modi to decide who will be there in their organization.

(Tom Vadakkan)
Secretary
Communication Deptt.